टाइम्स ऑफ़ पीडिया

TIMES OF PEDIA

ٹائمس آف پیڈیا

NEW DELHI Page 12 Price ₹ 3.00

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

www.timesofpedia.com

WEEKLY HINDI ENGLISH URDU

WED 05 JAN 2022 - TUE 11 JAN, 2022 | VOL. 10. ISSUE 03 | RNI No. DELMUL/2012/47011

भाजपा में भगदड़: यूपी भाजपा के तीन विधायकों ने दिया इस्तीफ़ा

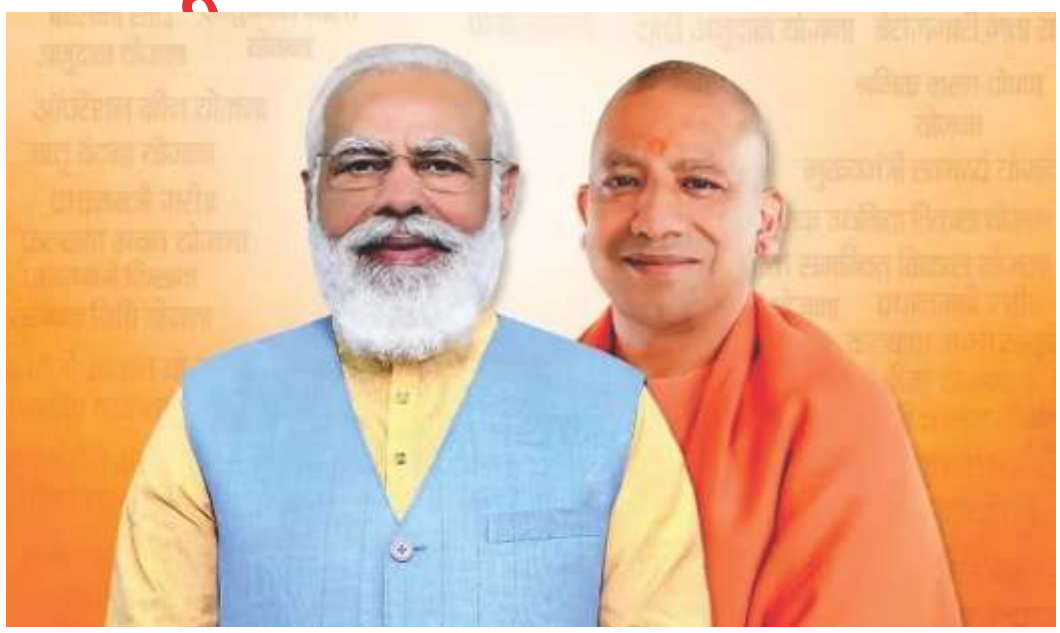

उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेताओं को अ अपनी पराजय को लेकर चिंता सताने लगी है और जिसके चलते नेताओं ने दूसरी सुरक्षित पार्टी की राह देखना शुरू कर दिया है. चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद भाजपा में भगदड़ मच गई है। उत्तर प्रदेश में मंत्री और विधायक इस्तीफा दे रहे हैं। गुरुवार को दोपहर तक 4 लोगों ने भाजपा से इस्तीफा दिया।

इसमें मंत्री धर्म सिंह सैनी, विधायक मुकेश वर्मा, विनय शाक्य और बाला प्रसाद अवस्थी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार वे सपा कार्यालय पहुंचकर अखिलेश से मुलाकात कर रहे हैं। मुकेश वर्मा शिकोहाबाद से विधायक हैं वहीं विनय शाक्य औरैया की बिधूना सीट से विधायक हैं। बीते तीन दिनों में भाजपा से इस्तीफे देने वाले विधायकों की तादाद 10 तक पहुंच गई है। भाजपा दिल्ली कार्यालय और उत्तर प्रदेश कार्यालय में घबराहट साफ दिख रही है. बहुत जल्द सभी पार्टियों को नामांकन भरने है और चुनाव मैदान में पहुंचने के लिए तैयारी करनी है. भाजपा को अपने पांच साल के कार्यों का लेखा जोखा दिखने लगा है और नतीजे 10 मार्च को दिख जाऐगा। अब अगर हमने पांच साल काम किया होता तो नेताओं को अपनी पार्टी से डरने की जरूरत नही होती।

भाजपा के नेताओं में अब तक स्वामी प्रसाद मौर्य, (पडरौना– कुशीनगर), धर्म सिंह सैनी (नकुड़ (सहारनपुर), भगवती सागर (बिल्हौर विधानसभा सभा), रोशनलाल वर्मा (तिलहर विधानसभा), विनय शाक्य (बिधूना – औरैया), अवतार सिंह भड़ाना (मीरापुर विधानसभा), दारा सिंह चौहान (मधुबन (मऊ), बृजेश प्रजापति (तिंदवारी (बांदा), मुकेश वर्मा (शिकोहाबाद फिरोजाबाद), दिग्विजय नारायण जय चौबे (खलीलाबाद), बाला प्रसाद अवस्थी (धौरहरा, लखीमपुर), राकेश राठौर, माधुरी वर्मा इस्तीफा दे चुके हैं।

भाजपा में मची इस भागमभाग के बीच स्वामी प्रसाद मौर्य का नया ट्वीट सामने आया है। उन्होंने कहा है कि नाग रूपी आरएसएस और सांप रूपी बीजेपी को स्वामी रूपी नेवला यूपी से खत्म करके ही दम लेगा।

बीजेपी विधायक विनय शाक्य ने पार्टी को अपने त्याग पत्र में लिखा, ष्स्वामी प्रसाद मौर्य दलितों की आवाज हैं और वह हमारे नेता हैं। मैं उनके साथ हूं।

शिकोहाबाद (फिरोजाबाद) से भाजपा विधायक मुकेश वर्मा ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य हमारे नेता हैं। वह जो भी निर्णय लेंगे हम उसका समर्थन करेंगे। आने वाले दिनों में कई अन्य नेता हमारे साथ शामिल होंगे।

मंत्री धर्म सिंह सैनी ने भी अपने त्याग पत्र में दलितों, पिछड़ों की अपेक्षाओं पर पार्टी के खरा नहीं उतरने का आरोप लगाया है। –आईटीएन

Ali Aadil Khan - Editor's Desk

शराब, पैसा, कृष्ण या राम नाम, इस बार क्या बटेगा चुनाव में?

अपने मुख्यमंत्री काल में योगी आदित्यनाथ मथुरा और वृंदावन का लगभग 20 बार दौरा कर चुके हैं, अयोध्या के राम मंदिर मुद्दे के बाद देश को धर्म के नाम पर बांटने का काम लगातार जारी रखने के लिए अब मथुरा और काशी का मुद्दा खड़ा कर दिया गया है. दरअसल बीजेपी को धार्मिक भावनाओं से खेल कर सत्ता के लिए सियासी जंग जीतना बहुत आसान लगने लगा है,हालाँकि मंदिर मस्जिद और कब्रस्तान–शमशान का सियासी खेल कई दूसरी पार्टियां भी खेलना चाहती हैं किन्तु वो इस मैदान की कच्ची खिलाड़ी साबित हुई हैं. लाल कृष्ण आडवाणी का 1990 का रथ यात्रा का तजुर्बा कामयाब रहा, राम मंदिर बनने से पहले ही, सत्ता की बुलंदियों तक ले आया. धर्म को सत्ता केलिए इस्तेमाल करने वालों को.धार्मिक भावनाओं से खेलने का हुनर बेशक किसी एक विचार धारा को सूट कर गया हो किन्तु देश की लोकतान्त्रिक, संवैधानिक तथा सामाजिक जड़ों को लगभग खोखला कर गया है.जिसके बाद दुश्मनो की विजय की राह काफी आसान हो जायेगी.

धार्मिक भावनाओं से खेलने का ऐसा ही माहौल पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और अफगानिस्तान में भी देखने को मिलता रहा है, लेकिन दोनों में बुनयादी फर्क है जिसको समझना जरूरी होगा.

फिलहाल हमको अजय बिष्ट नामी गुमनाम व्यक्ति या बहु चर्चित योगी आदित्यनाथ के धार्मिक चरित्र को समझना जरूरी है. हालाँकि मैं स्वयं तो किसी भी धर्म का ज्ञाता नहीं हूँ किन्तु सही और गलत को समझने का ज्ञान रखता हूँ.जिस तरह मुस्लिम समाज में अज्ञानियों की भावनाओं से कोई भी ढोंगी खेलकर खुद को बड़ा सूफी या मुजाबीर बन बैठता है इसी तरह हिन्दू समाज में और भी ज़्यादा मूर्ख बनाने का चलन जोरों पर है. कोई भी अज्ञानी स्वामी या योगी या महा मंडलेश्वर बनकर भोले भाले देश वासियों को राम के नाम पर सूली पर चढ़ाता रहता है. मतलब चढ़ जा बेटा सूली पे –राम भली करेगा. इस तरह हजारों मासूमों को बलि का बकरा बना दिया जाता है. हालाँकि कुछ वास्तविक सूफी और स्वामी भी इसी धरती पर मौजूद हैं लेकिन उनके और इन पाखंडियों व् ढोंगियों के विशवास और आस्था में जमीन आसमान का फर्क है या यूँ कहें के एक दुसरे के धुर विरोधी हैं.

मथुरा काशी पर होने वाली सियासी बहस कम और सास बहु की लड़ाई ज़्यादा लग रही है. मुख्यमंत्रियों के पास विकास, विदेश और शिक्षा नीतियों पर कोई योजना ही नहीं है. टेलीविजन चौनलों की चर्चाओं और रैलियों में लगता ही नहीं कि यह शीर्ष नेताओं की बातचीत है. सबसे पहले योगी जी से एक सवाल यह है की क्या उन्होंने जीवन में कभी श्रीमद्भागवत गीता का अध्यन किया है खास तौर से दशम स्कंध अध्याय तो उन्होंने पढ़ा ही नहीं होगा. सत्यहिंदी डॉट कॉम के एक प्रोग्राम में वरिष्ठ पत्रकार और सनातन धर्म के ज्ञानी विनीत नारायण योगी जी से सवाल कर रहे थे. उन्होंने कहा कि "योगी के गोरक्ष पीठ में आज तक राम और कृष्ण की पूजा ही नहीं हुई, योगी इसके विरोधी हैं".

विनीत नारायण यह भी सवाल उठाते हैं की मथुरा और बृंदावन की परंपरा से योगी परिचित नहीं हैं वो न तो बृज की रसिक परंपरा पर बोल सकते हैं और न संस्कृति पर न ही गीता पर. श्री नारायण कहते हैं "बृंदावन में कुम्भ पूर्ण एक वैष्णव समाज की बैठक होती है, योगी ने इस को ढकोसला कहकर समाप्त कर दिया है और करोड़ो रूपये का नुकसान करा दिया. विनीत नारायण ने कहा आप बृज में कंस का अवतार लेकर आ रहे हैं. क्या करने आ रहे हैं आप बृज में योगी जी?"

अभी तक मथुरा में सौहार्द पूर्ण माहौल है अब मथुरा में भव्य मंदिर निर्माण के नाम पर पूरे प्रदेश में सांप्रदायिक आग लगाई जायेगी. नफरत का जहर घोला जाएगा, दुकानों, बाजारों और घरों को आग लगवाई जायेगा. इंसानी खून बहाया जाएगा,लोगों के कारोबार चौपट होजाएंगे,समाज हिन्दू मुस्लिम में बंट जाएगा और बस नेता जी की प्यास बुझ जाएगी. कितना स्वार्थी हो गया है यह पाखंडी नेता.

वाह री सियासत वाह तेरा नाश हो. मोहब्बत, प्रेम, सद्भाव सौहार्द शांति और अम्न तथा विकास की सियासत देखने को आँखें तरस गईं, और सुनने को कान तरस गए, काश सियासी मंचों से मोहब्बत और अमन व् शांति की बात होती. देखना यह है कि अब शराब, पैसा, कृष्ण या राम नाम को बेचा जाऐगा या विकास और बैचारा बांटा जाऐगा चुनाव में?

Editor/Owner/Printer/Publisher: Ali Aadil Khan, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I, Jamia Nagar, Okhla, ND - 25. **Printed at :** Shobi Offset Press, 2818, Gali Gadhiaiya, Kuchachalan, Daryaganj, ND. - 2

Elections to Anjuman Yaadgaar Chistiya Sheikhzadgan Khuddam Khwaja Moinuddin Chisty (RA) held in Ajmer.

The elections to the general body of Anjuman Yaadgaar Chistiya Sheikhzadgan Khuddam Khwaja Moinuddin Chisty (RA) were held on 9th January, 2022, in the yaadgar guest house, Ajmer under strict police bandobast . The elections which were to be held in March 2021 were postponed, due to Covid 19 conditions.

Out of a total 229 votes, 168 votes were polled. All were found to be valid. The community is divided into 2 parts, and the 2nd party which are numbered 12 to 22 were declared victorious. The victorious candidates are : Rafiq Ahmed Chisty, Fahim Ahmed Chisty, Akbar Mohd. Chisty, Subhan Mohd, chisty, Niaz Mohammad Chisty, Tahir

Mohammad Chisty, Zahidulhaq Chisty, Tassuf, Izhar Hussain Chisty, Ifthikar Mohammed Chisty, Shakil Ahmed Chisty.

The present Committee will hold the office till 23rd March, 2023.

Speaking to ISMATIMES, Bunty Chisty spokesperson of the victorious group said that our aim is to work for the uplifting of the community, improve the social, economic conditions and lay more importance towards education of the younger generation. He further thanked the administration, police, and all the community members for holding the elections in a democratic and peaceful manner.

Zahidulhaq Chisty, speaking to ISMATIMES, said that the new committee will work in tandem with the administration and other bodies of khawaja Moinuddin chisty, such as Dargah committee and Anjuman Syedzadgan. He further thanked all the members of the community for actively participating in the democratic manner, under severe Covid conditions.

Zahid ul Haq Chisty further added that newly elected body will try to remove all the anomalies created by previous Committee and work towards providing all help to the pilgrims and zaireens of khawaja saab.

-ITN

Priyanka Gandhi to start virtual campaign from 8th Jan.

Uttar PradeshAshok Singh, Print Media Coordinator of Uttar Pradesh Congress Committee has informed that due to the increasing outbreak of Kovid, Congress General Secretary Priyanka Gandhi Vadra ji has started her virtual campaign.

Mrs. Priyanka Gandhi ji will talk live on her Facebook page and YouTube page on January 8, 2022 at 2 pm on the “Girl Hoon Lad Sakti Hoon” campaign and will also take questions from the public. During this, the general public including party workers can question and answer Mrs. Priyanka ji Congress today launched “Kranti Recruitment”

to include the voices of youth in its manifesto for the 2022 UP Assembly elections. For this, a suggestion plaque was put up at the state Congress headquarters. It was inaugurated by the President of Uttar Pradesh Congress Committee Shri Ajay Kumar Lallu ji. While inaugurating, he said that the recruitments in Uttar Pradesh are pending for a long time.

The youth is on the streets, struggling. For its recruitment, the government is playing with the unemployed, with their future and with their lives. He said that if the Congress government is formed in Uttar Pradesh in 2022, then it will work to provide government jobs to 20 lakh youth and all the contract workers and contract workers will be regulated.

-ITN, Lucknow.

स्वामी प्रसाद मौर्या ने भाजपा के झूठ का गुब्बारा फोड़ दिया है: लोकदल

लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि बीजेपी सरकार केवल झूठे प्रचार पर चल रही है। गरीबों, किसानों, नौजवानों के बुनियादी मुद्दों पर बात नही करती है एक तरफ भाजपा सरकार बड़े–बड़े दावे कर रही है उन्ही के मंत्री नाराज होकर किनारे जा रहे हैं मतलब पार्टी से पलायन कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि भाजपा का फर्जी बनाया जहाज डूब रहा है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नैया डूब रही है और स्वामी प्रसाद मौर्य ने पार्टी छोड़ने के बाद सारे छेद गिना दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीते पांच साल में भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर दलितों, पिछड़ों ,व्यापारियों और नौजवानों को धोखे में रखकर प्रचार और प्रोपगंडा फैलाया। अब उन्हीं की सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट स्वामी प्रसाद मौर्या ने भाजपा के झूठ का गुब्बारा फोड़ दिया है। किसान, बेरोजगार, महिलाओं के मुद्दों पर भाजपा ने सिर्फ झूठ परोसा है।

भाजपा की गलत नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश की जनता त्रस्त है। धर्म और जाति की की राजनीति करने वाली इस पार्टी की ढोल फट चुकी है। बीजेपी की नफरत की राजनीति को इस प्रदेश की जनता हराएगी। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह के नेतृत्व में लोकदल 403 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारकर जनता के मुद्दों को लेकर कार्य करेगी। और उत्तर प्रदेश के विकास की झूठी बात कर रही भाजपा सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के लिए लोकदल संकल्पित है। 2022 में प्रदेश की जनता ने भाजपा को हटाने का मन बना लिया है। सोच इमानदार काम दमदार नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी का कार्य धरातल पर कहीं भी दिखाई नहीं देता सिर्फ कागजी दावों की पोल खोलती हुई दिख रही है। सरकार विज्ञापनों में चाहे कितने दावे कर ले, लेकिन सच न तो बदला जा सकता है और न झुठलाया जा सकता है। सच यही है कि योगी सरकार बीते पांच साल से न तो रोजगार देने दिशा में कुछ कर पाई है और न ही कानून व्यवस्था में कोई सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंचों पर लगातार झूठ बोल रहे हैं और अपनी नाकामियों छुपाने के लिए झूठी उपलब्धियां गिना रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी की हार तय है और यहां किसानों की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री का चेहरा किसान चेहरा ही होगा।

–आईटीएन

NOTICE:
Times of Pedia does not guarantee, directly or indirectly, the quality or efficacy of any product or services described in the advertisements or other material which is commercial in nature in this Newspaper. Furthermore, Times of Pedia assumes no responsibility for the consequences attributable to inaccuracies or errors in the printing of any published material from the news agencies or articles contributed by readers. It is not necessary to agree with the views published in this Newspaper. All disputes to be settled in Delhi Courts only.

लखनऊ में भाजपा चुनाव समिति की बैठक खत्म.

लखनऊ में बीजेपी चुनाव समिति की बैठक में उत्तर प्रदेश की विधान सभा के लिए आगामी उम्मीदवारों के नामो पर गहन चर्चा हुई. दिल्ली में भाजपा का प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व मिल कर तैयार कर रहा सूची. सूत्रों के हवालें से खबर है कि अंतिम सूची पर्लियामेंट्री की बैठक के बाद जारी होगी. 11 से 13 तारीख के बीच यूपी के पहले चरण के उम्मीदवारों के नाम की सूची आयेगी.

सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप की शिक्षा जगत में उच्च स्तरीय उपलब्धियाँ और विशेषताएं

जब एक इंसान ज्ञान हासिल करने के लिए निकलता है तो उसके लिए स्वर्ग का रास्ता भी आसान कर दिया जाता है, फरिश्ते उसके रास्ते में अपने पर बिछाते हैं, तालिबे इल्म के लिए धरती और आसमान की हर एक मख़्लूक़ यहां तक कि समुन्द्र की मछलियाँ भी दुआ करती हैं. आलिम (ज्ञानी) को आबिद (उपासक) पर ऐसी प्रधानता (फ़ौक़ियत) हासिल है जैसे 14वीं रात के चाँद को सितारों पर है। –तिर्मज़ी 2682

स्वामी विवेकनन्द ने कहा था, ''जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें,मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सके और विचारों का सामंजस्य कर सकें वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है।'' स्वामी आगे कहते हैं, ''हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शांति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके"।

अपने दौर के जाने माने शिक्षाविद्द और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन लिखते हैं, ''किसी विद्यालय की महानता या गरिमा का निर्धारण उसकी इमारतों या उपकरणों से नहीं बल्कि इदारों (शिक्षा केंद्रों) में टीचर्स की सलाहियतों ,सरलता ,ज्ञान व चरित्र के आधार पर होता है "।

सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप कोटा , राजस्थान का निर्माण भी कुछ इसी प्रकार की शिक्षा नीति के आधार पर किया गया है . उपरोक्त मूल्यों के निर्वाहन को ही सर्वोदय ग्रुप के परिवार ने अपना मकसद बनाया है .

भारत के सबसे पहले शिक्षा म्नत्री , धार्मिक गुरु और स्वतंत्रता संग्रामी मौलाना अबुल कलाम आजाद कहते थे राष्ट्रीय निर्माण और शिक्षा का कोई भी कार्यक्रम सफल नहीं होसकता जबतक देश की महिलायें जो देश की आबादी का 55 प्रतिशत हैं शिक्षित और उन्नत न हों .

सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप, महिलाओं की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए कई प्रोग्राम चला रहा है . ग्रुप कई मानों में ब्उउनदपजल में शिक्षा का स्तर बढ़ाने के साथ साथ देश की शिक्षा नीति को सफल बनाने और समाज को साक्षर बनाने में तीन दशकों से अपना योगदान देता आ रहा है . सब पढ़ें सब बढ़ें के साथ साथ बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के नारे को भी धरातल पर स्थान देने में सर्वोदय का सहयोग जारी है .

शिक्षा जगत में उच्च स्तरीय उपलब्धियाँ सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप की यूएसपी

ग्रुप के संस्थापक चौयरमेन श्री ए.जी. मिर्जा द्वारा स्थापित सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप जिला कोटा में वर्ष 1989 से कार्यरत है एवं शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर उच्च आयाम स्थापित कर रहा है। इस ग्रुप के अधीन सी.बी.एस.ई. और आर.बी.एस.ई. से सम्बद्ध विद्यालय, व्यवसायिक पाठ्यक्रम, बी.एस.सी. एवं जनरल नर्सिंग, बी.ए. बी.एड, बी.एस.सी. बी.एड , बी. एड बी.एस.टी.सी. एवं पशुधन सहायक प्रशिक्षण संस्थान आदि इकाईयों का सफल संचालन किया जा रहा है। हाल ही में बी.एन. वाई.एस कोर्स हेतु विज्ञान नगर, कोटा में एक महाविद्यालय की स्थापना भी की जा चुकी है।

ग्रुप निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा ने बताया कि सीनियर सैकेण्ड्री स्तर तक विद्यालयों में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है।उन्होंने बताया संस्था का उद्देश्य मात्र धन अर्जित करने तक ही सीमित नहीं है अपितु शुल्क निर्धारण की व्यवस्था इस प्रकार से की गई है कि समाज के प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति अपने बच्चों के शैक्षणिक भविष्य के सपने को सीमित वित्तीय संसाधनों से भी साकार कर सके। संचालित विद्यालय, महाविद्यालय एवं अन्य संस्थान समस्त आवश्यक सुविधाओं से युक्त है।

विद्यालय का आकर्षक एवं खुला भवन शैक्षणिक वातावरण को और अधिक लाभप्रद बनाता है। विद्यालय में ओडियो–विडियो एवं प्ले वे आधारित शिक्षण व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त सभी विषयों की सुसज्जित प्रयोगशालाऐं, कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास एवं पुस्तकालय भी स्थापित है। उत्कृष्ट शिक्षण हेतु नवीन एवं तकनीकी शिक्षा प्रणाली तथा योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित स्टाफ उपलब्ध है। विद्यार्थियों के चौमुखी विकास हेतु सह–शैक्षणिक गतिविधियों पर भी सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया जाता है। खेल–कूद सम्बन्धी गतिविधियों के लिए खेल का मैदान भी निर्मित है. जिसमें बास्केट–बॉल, वोली–बॉल, हैण्ड–बॉल, फुट–बॉल एवं क्रिकेट आदि प्रतियोगिताऐं भी आयोजित की जाती है।

ग्रुप के निदेशक श्री मजहर मिर्जा कहते हैं कि शिक्षा संस्थानों को चलाने के लिए जिन आचार विचार , नैतिकता और संस्कारों और मूल्यों की जरुरत होती है उसका आम तौर से अभाव मिलता है लेकिन ये सब हमको हमारे प्रेरणास्रोत , सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन और मेरे पिता श्री अब्दुल गफ्फार मिर्जा जी से हमको विरासत में मिला है . और फिर हमको हमारे मजहब इस्लाम ने खूबियों का उपदेश दिया है .श्री मजहर ने जानकारी दी ,वर्तमान में सर्वोदय पैरामाउण्ट स्कूल, विज्ञान नगर एवं प्रेम नगर में किण्डरगार्टन पद्धति से नन्हे मुन्हे विद्यार्थियों के लिए आधुनिक खेल उपकरणों सहित खेल–खेल में शिक्षा सत्र का भी शुभारम्भ किया गया है।

आपको बता दें सर्वोदय ग्रुप ने शैक्षणिक सत्र 2019–20 से माटुन्दा, जिला बून्दी में सर्वोदय पैरामाउण्ट स्कूल का शुभारम्भ किया गया है जिसमें सी.बी.एस.ई पद्धति के अनुसार सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को शिक्षा दी जायेगी ।जिला बूंदी के माटूंदा ब्उचनेे में शिक्षा में गुणवत्ता और दूसरी सुविधाओं के साथ विद्यालय परिसर में ही स्वीमिंग पूल का भी इंतजाम किया है . विद्यार्थियों , शिक्षकों और अभिभावकों की हर प्रकार से सुविधा को ध्यान में रखते हुए सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप लगातार शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सफलताओं की तरफ अग्रसर है , जो सिर्फ रब् की कृपा से ही मुमकिन हो पा रहा है .

ग्रुप के निदेशकों और सर्वोदय के पूरी परियोजना के संस्थापक चेयरमैन अब्दुल

गफ्फार मिर्जा का कहना है कि हमारी टीम समय–समय पर आयोजित शिक्षक–अभिभावकों की बैठक के दौरान उनसे अमूल्य सुझाव आमन्त्रित कर सर्वोदय के सभी केंद्रों में सुधार करने के पूरे प्रयास करती है । सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन श्री ।ळ मिर्जा कहते हैं कि विद्यार्थियों को बेहतर संस्कार देकर उनमें राष्ट्र भक्ति एवं देश प्रेम की भावना जागृत करना तथा साथ ही उन्हे अपने नैतिक दायित्व का बोध कराना भी हमारी शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। वर्तमान में भी हमारे समक्ष रोजगारोन्मुखी कुछ नवीन शिक्षा परियोजनाएं विचाराधीन है जिन्हें आवश्यकता के अनुरुप निकट भविष्य में अमली जामा पहनाया जाना प्रस्तावित है।

चेयरमैन ने बताया कि सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप का मुख्य उद्देश्य न्यूनतम शिक्षण शुल्क पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराने के अतिरिक्त शिक्षा के माध्यम से समाज और राष्ट्र की प्रगति हेतु योग्य एवं प्रतिभावान छात्रध्छात्राऐं भी तैयार करना है।

सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप की प्राथमिकताएं , और उसके क्रियान्वयन के तरीके

दरअसल शिक्षा संस्थानों , मरकजों और केंद्रों में संस्कार , नैतिकता , मानवता और हुब्बुल वतनी (देशप्रेम) को बढ़ावा देना प्राथमिकता होना चाहिए था , शिक्षा का मूल मकसद ही यह था .दुर्भाग्यवश हर तरफ इसका अभाव नजर आता है . उसकी २ बड़े कारण सामने आते हैं , एक शिक्षा का वयवसायीकरण दूसरे शिक्षकों की संकीर्ण और प्रदूषित मानसिकता तथा देश में बढ़ता धुर्वीकरण का ग्राफ .

लेकिन इस सबके बावजूद आज भी देश में कई संस्थान शिक्षा के मूल भाव को जिंदा रखने में सफल रहे हैं या जिनको हम आज के दौर का फ्कमंस मान सकते हैं . उन्ही में से एक है राजस्थान के कोटा शहर का सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप .इस ग्रुप के चेयरमैन और निदेशकों ने शिक्षा को व्यवसाय नहीं बल्कि धर्म माना है जिसके चलते वो अपने तमाम ब्उचनेमे को धर्मस्थल की तरह से देखते हैं , और इस बात की कोशिश करते हैं किसी प्रकार का कोई अधर्म यहाँ न होने पाए .हर एक धर्म, जाती , समुदाय तथा लिंग का यहाँ एहतराम सिखाया जाता है सभी का सम्मान सर्वोदय की पहचान है .सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप को अपनी सेवाओं के लिए राज्य तथा अन्तर्राज्य स्तर पर ।चचतमबपंजपवदे मिलती रही है , कई मीडिया संस्थान और दीगर छळव्े तथा सरकारी कार्यालयों द्वारा प्रशस्ति पत्र , सर्टिफिकेट्स एवं डमउमदजवे और सम्मानों से नवाजा गया है .

सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप ने अपने सभी ब्उचनेमे में कानून वयवस्था तथा नैतिकता और मानवता को अमल में लाने के लिए वहां के ।कउपदेजॅि को उत्तरदाई बनाया है साथ ही उनका पूरा सम्मान , प्रशिक्षण तथा सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया गया है , इसके चलते हर एक ेजॅिखुद को ग्रुप का स्वामी भी मानता है और सेवक भी . यही इस ग्रुप या किसी भी ग्रुप की उपलब्धियों का राज है .

सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप की चमत्कारी सफलताओं का राज

वास्तव में जब कोई व्यक्ति या संस्था , रब की राह में और उसकी मख्लूक पर खर्च करना शुरू करदे और रब से तिजारत शुरू करदे तो अब इसकी सफलता में कोई रुकावट नहीं बन सकता , बड़ी से बड़ी मुखालिफ शक्ति इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती चूंकि इसका मामला तो सीधे आसमानो वाले से जुड़ गया है , तो अब धरती पर तमाम मख्लूक की दिलों में मोहब्बत तो आनी ही है .

टाइम्स ऑफ पीडिया ग्रुप भी सर्वोदय एजुकेशनल ग्रुप की कामयाबी और तरक्की के लिए मुबारकबाद देता है और कामना करता है की सर्वोदय हमेशा अम्न , शान्ति , प्रेम , शिक्षा , संस्कारों , मानवता , नैतिकता , इंसाफ और हक का सूरज बनकर उगता रहे ,सर्वोदय परिवार सुख , समृद्धि और सेहत के साथ कोटा शहर ,राजस्थान और देश का भी नाम रोशन करे .

उठ के अब बज्म–ए–जहां का और ही अन्दाज है
मशरिक–ओ–मगरिब में तेरे दौर का आगाज है !

इल्म का हासिल करना न सिर्फ दुनिया में कामयाबी का मज़हर (घोषणा) है बल्कि आख़िरत (परलोक) में भी इंसान इल्म के रास्ते से ही सफलता हासिल कर पायेगा. धरती पर शिक्षा संस्थान अभिव्यक्ति की आज़ादी के माध्यम का अज़हर हैं. इसलिए मज़हबी विद्वानों का मानना है "इल्म वो रास्ता है जो इंसान को जन्नत तक पहुंचाता है, और ज्ञान देने वाले (शिक्षक) जन्नत के दूत हैं . लेकिन जन्नत के लिए ईमान शर्त है . अब ईमान क्या है इसके लिए अलग चैप्टर रहेगा.

एक कार्यक्रम में योगी ने नवचयनित प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए.

लखनऊ, 06 जनवरी, 2022 : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां लोक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा नवचयनित 57 नायब तहसीलदारों एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों के 210 नवचयनित प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें प्रवक्ता पद के 141 और सहायक अध्यापक पद के 69 नवचयनित अभ्यर्थी सम्मिलित हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने तहसीलदार पद पर नवचयनित सुश्री प्रीति सिंह एवं श्री कमलेन्द्र प्रताप सिंह तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में नवचयनित सुश्री साधना अग्रहरी एवं श्री आदित्य जैन से संवाद किया।

मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने बिना किसी भेदभाव के पारदर्शी एवं ईमानदारी से चयन के उपरान्त राजस्व विभाग के नायब तहसीलदारों व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत राजकीय विद्यालयों में प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों की नियुक्ति की है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 73 नायब तहसीलदारों का चयन हुआ है। इनमें 57 चयनित अभ्यर्थियों को पुलिस वेरिफिकेशन आदि नियुक्ति सम्बन्धी औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात आज नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा एक समय सीमा के अन्दर चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ा करके अभ्यर्थियों का चयन किया जा रहा है। प्रदेश में वर्ष 2017 से पूर्व योग्यता एवं प्रतिभा के बावजूद अभ्यर्थियों को चयन का अवसर नहीं मिल पाता था। वर्तमान प्रदेश सरकार एक साफ–सुथरी प्रक्रिया के माध्यम से नौजवानों को सरकारी नौकरियों में नियोजित कर रही है, जिसका प्रतिफल आज यहां नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के रूप में दिख रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के राजस्व प्रशासन में नायब तहसीलदार जनता एवं तहसील प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करता है। नायब तहसीलदार द्वारा तहसील में आमजन से

जुड़े कार्य–नामान्तरण सम्बन्ध.

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इतना महत्वपूर्ण कार्य नायब तहसीलदार के स्तर पर सम्पन्न होने का मतलब है कि यह राजस्व व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि विवाद के लगभग 60 प्रतिशत मामले राजस्व से जुड़े होते हैं। इस प्रकार के मामले ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा पाए जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना के अन्तर्गत गांवों में आबादी की भूमि से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण करने के लिए तकनीकी का प्रयोग करते हुए घरौनी की व्यवस्था की गयी है। स्वामित्व योजना के अन्तर्गत ग्रामीण आबादी की मैपिंग ड्रोन से कराकर गांव में खुली बैठक का आयोजन कर सम्बन्धित व्यक्ति का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा अब तक कुल 16,267 ग्राम पंचायतों में 24 लाख 19 हजार 889 ग्रामीण परिवारों को आवासीय अभिलेख (घरौनी) उपलब्ध करायी गई है। हाल ही में प्रधानमंत्री जी के कर–कमलों से 02 लाख परिवारों को आवासीय अभिलेख उपलब्ध कराए गए हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक अभियान के माध्यम से लगभग 64,366 हेक्टेयर भूमि को भू–माफियाओं से अतिक्रमण मुक्त कराया है। इससे प्रदेश का एक लैण्ड बैंक बना है। इस भूमि पर प्रदेश सरकार द्वारा उद्योग, स्कूल एवं अन्य विकास के कार्य किये जा रहे हैं। प्रदेश में पात्र लोगों, जिनके पास अपनी भूमि नहीं है, उनको भी इस प्रकार की भूमि आवंटित की जा रही है। प्रदेश में पाकिस्तान एवं बांग्लादेश से आये 63 बंगाली हिन्दू परिवारों को जनपद कानपुर देहात में प्रति परिवार दो एकड़ भूमि तथा रहने के लिए 200 वर्ग गज भूमि के साथ–साथ घर बनाने के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रति परिवार 1.20 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इसके अलावा प्रदेश ने राजस्व सम्बन्धित अन्य उपलब्धियां भी हासिल की हैं। उत्तर प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में कुल लम्बित विभिन्न वादों के सापेक्ष कुल 21,67,815 वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया गया है। राजस्व विभाग के अन्तर्गत जन शिकायतों के निस्तारण हेतु समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली के तहत 01 वर्ष में 3,34,6621 शिकायतों के सापेक्ष 3,31,039 (99 प्रतिशत) शिकायतों का निस्तारण किया गया है। राजस्व लेखपाल, राजस्व निरीक्षक को स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गये हैं, जिससे तकनीकी का बेहतरीन उपयोग करते हुए आमजन की समस्याओं का समाधान का रास्ता आसानी से निकल सके। प्रदेश में 1,09,092 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 86,214 राजस्व ग्रामों के भू–मानचित्रों को डिजिटाइज कर खतौनी से लिंक किया जा चुका है। प्रदेश के सभी प्रकार के राजस्व आंकड़ों को डिजिटाइज किया गया है, जिससे रजिस्ट्री आदि के नाम पर आमजनमानस एवं गरीबों का शोषण न हो सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 297 तहसीलदारों को उपजिलाधिकारी के पद पर प्रोन्नति प्रदान की गयी है। 333 नायब तहसीलदारों को प्रोन्नति प्रदान करते हुए तहसीलदार पद पर तैनाती दी गई है। राजस्व निरीक्षक के पद पर 759 कर्मचारियों को प्रोन्नति दी गई है। 556 कनिष्ठ सहायकों की भर्ती राजस्व विभाग में की गयी है। साथ ही, राजस्व विभाग के 512 मृत कार्मिकों के मृतक आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई है। अब तक प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग को मिलाकर लगभग 01 लाख 75 हजार शिक्षकों की तैनाती की जा चुकी है। इन शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई है। वर्तमान राज्य सरकार द्वारा अब तक माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों में 6,899 तथा सहायता प्राप्त विद्यालयों में 30,980 शिक्षकों का चयन किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में 01 लाख 26 हजार शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी की गई है। यह शिक्षक अपनी सेवाएं बेसिक शिक्षा के स्कूलों में दे रहे हैं। प्रदेश में लगभग पौने दो लाख शिक्षक एवं डेढ़ लाख पुलिस विभाग में नियुक्तियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। युवा के जीवन के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में चयन की प्रक्रिया पारदर्शी और ईमानदार तरीके से आगे बढ़ी है। आज प्रदेश के युवा देश और प्रदेश में शासकीय सेवाओं में अपनी सेवा दे रहे हैं। प्रदेश में पठन–पाठन का माहौल बेहतर हुआ है। आज प्रदेश में पारदर्शी तरीके से नियुक्तियां दी जा रही हैं, उन्होंने भरोसा जताया कि नव चयनित अभ्यर्थी प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप अपने पद के दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और मनोयोग से करेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 05 वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश के विकास में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया है। भारत सरकार की लगभग 50 योजनाओं में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के पौने पांच वर्ष के कार्यकाल में मेहनत करने वालों और भविष्य में कुछ कर गुजरने की तमन्ना रखने वाले युवाओं को पर्याप्त अवसर मिला है। प्रदेश में शुचिता, पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं ईमानदारी पूर्वक चयन प्रक्रिया का निष्पादन कराया गया है।

राजस्व राज्यमंत्री श्री छत्रपाल सिंह गंगवार ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती गुलाब देवी, अध्यक्ष राजस्व परिषद श्री मुकुल सिंघल, अपर मुख्य सचिव राजस्व श्री मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा श्रीमती आराधना शुक्ला सहित शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। –आईटीएन

दिल्ली चैप्टर Indian Working Journalist का चुनाव 18 दिसंबर को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के मीटिंग हाल

डॉक्टर रीमा ईरानी की खास रिपोर्ट :

दिल्ली चौप्टर का चुनाव 18 दिसंबर को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के मीटिंग हाल में दोपहर श्री पंकज अग्रवाल हापुड़ निर्वाचन अधिकारी एवम श्री अनिल गुप्ता गाजियाबाद पर्यवेक्षक की मौजूदगी में संपन्न हुआ। श्री ब्रह्म दत्त आईएएस (सेवानिवृत्त) सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित।

"Greedy Red Wolves" In Our Seas – Chinese Trawlers Eye Indian Ocean Now

Lakshay Arya

Javed is a fisherman from Pishukan village near Gwadar and this was his reaction when asked about Chinese Fishing vessels in the region. This feeling of despondency was evident in other members of his community too. But the fishermen of Balochistan are not the only ones suffering the invasion of their seas by 'Chinese Dark Fleets' – every fishing community in the Indian Ocean Region is wrestling for survival, but yes, the worst affected are fishermen from countries entangled in CCP's debt trap.

As per United Nations Food and Agriculture Organisation (FAO), most waters in Indian Ocean Region (IOR) are either 'Zones of Continuous Upwelling' (where fish productivity is high all-round the year) or 'Zones of Seasonal/Monsoon Upwelling' (with high fish productivity in a particular season/monsoons). This unique geography makes IOR a fish rich domain with great potential for local fishing communities. But, before the regional players could capitalise this 'nature's gift', China swung into action and unleashed huge fishing trawlers, that have persistently been destroying the marine ecology and along with it, destiny of millions of poor people.

Over months of study, it was found that thousands of fishing vessels that have gradually started dominating the IOR region have been found flying under the Chinese flag. Additionally, armed with massive CCP subsidies and latest fishing technologies, these vessels have been found to indulge in illegal, unreported and unregulated (IUU) fishing. Supported by a vast and complex network of fuelling ships, support vessels, reefers and fish carriers (with refrigeration/ packaging plants), these 'dark fleets' move swiftly through the oceans, wiping out all marine resources in their way, leaving nothing for the traditional fishermen.

It is this well-managed technologically advanced and State supported operation that has forced many local fishermen to leave their ancestral occupation and migrate from coastal areas.

Studies have shown that over the past few years destructive fishing practices such as seabed trawling, dynamite fishing and poison (cyanide) fishing have led to depletion of fishes in South China Sea (SCS) by almost 95%. Overwhelmed by this and by the voracious demand for sea food in China, the Chinese fleet along with their unhealthy fishing methods, have ventured into other countries resources now are operating worldwide.

In quest to extract maximum fish in least time, these fleets are using same dastardly practices in IOR which had led to destruction of ecology, aquatic life and marine resources in the SCS. Experts also termed the large nets on Chinese vessels as 'Wall of Death' for fish, sharks, and marine mammals, and if this practice continues, the region will soon be deficient of species like Tuna, Sword fish, Marlin, shrimps and squids. It is indeed appalling that the vessels banned within China's own territorial waters for damaging ecosystem are easily permitted in the IOR!

Fishing, which once used to be a profitable livelihood, is becoming unsustainable for the regional fishermen, as most of the times they are reeling empty nets – courtesy Chinese overfishing. The regional fishermen working out of traditional crafts are no match for the Chinese mega trawlers with miles long nets capable of sweeping up virtually every living thing. The sea's diminishing returns mean plummeting incomes for fishermen and higher food prices for citizens. But now, things have gone beyond unequal survival opportunities.

Of late, these Chinese vessels have resorted to vehemence against local fishermen with reports of attack, physical violence and sinking of vessels by ramming, which have resulted in numerous deaths of innocent local fishermen. Unfortunately, it is poor people like Javed Baloch and their families who are paying for their government's incompetence and felonious relationship with China.

In 1996, China signed UN Fish Stock Agreement, but never ratified it. In response to WTO's appeal to check overfishing, CCP Foreign Ministry in 2017 promised capping of FVs to 3000, but even today more than 17000 distant water vessels are operating around the world. These fleets are routinely found violating maritime laws by fishing within EEZ (including territorial waters) of developing countries and when challenged by local authorities/fishing community, they opt for response through violence.

Not only is violence an issue but these vessels are known to undertake imperceptive hunting of endangered marine species like sharks, sawfish, tuna, turtles and manta rays. A gruesome example of this was in 2017 when the Chinese trawler Fu Yuan Yu Leng 999 was found carrying 6000 frozen shark carcasses and many endangered species by Ecuador.

Additionally conforming to furtive Chinese maritime culture, these vessels keep their transponders off, falsify licenses and documentation, hide their identity/nationality/ flag/registration while operating. Numerous cases of human right abuse, murders, sexual crimes onboard these vessels, incidents of maritime pollution, use of dangerous/ banned fishing techniques and even spying on other nations have been reported, but these boats are well protected by the Chinese government and well versed with law and therefore able to utilize loopholes in the existing legal framework to escape.

Which is why without a whole scale structural change by China and changes within the system of global governance of oceans, these trawlers will continue to exploit our seas.

There is an urgent need for the IOR nations to collaborate under a comprehensive cooperative security mechanism to deter these fleets from their blatant unlawful activities. Because without cooperative efforts, the 'Greedy Red Wolves' will continue to ransack our waters indiscriminately, turning IOR into a barren, resourceless ocean like the South China Sea.

Bulli Bai — No action yet taken by police on FIR lodged all over India.

Encouraged by the massive publicity, it got of its Dhram Sansad, at 2 places, hindus started Bulli Bai, campaign. This time also the victim, women have lodged an FIR with the police and got it done earlier also. But no concrete action was taken by the government in the past and it is not seen to be happening now. Previously a letter was sent to GitHub just as a formality. No one knows what happened to whom. This time after the matter was raised by Shiv Sena's Parliament Priyanka Chaturvedi. Union Minister for Communications, and Information Technology Ashwini Vaishnav told on Twitter that "GitHub has confirmed to block its user this morning. CERT and police administration are taking further action."

Although the matter is being discussed all over the world, but there is no other reaction yet by the government or the ruling Bharatiya Janata Party. The Congress has also

raised questions on the government's silence. Party's general secretary Priyanka Gandhi says, Prime Minister Narendra Modi's not taking action on such people shows the "anti-women ideology" of your government Victim women say that "saffron ideology" is spoiling the name of the country all over the world. Seeing her name on "Bulibai", journalist Kavish Aziz says "Lenin", the right wing is maligning the image of the country with their hate politics. Talking to Newsclick, she said that "I am not afraid of such things, whenever the government does something wrong, I will oppose.

Its heartening to note that NDTV 'S Ravish Kumar program telecast full program on this topic. And few other channels too mentioned.

Social Activist Sadaf Jafar's name is also in the app and he says that due to the silence of the government, "an atmosphere of hatred is increasing in the country. Sadaf Jafar says that "I was saddened to see my name, but it is a matter of great sorrow that a Zaif "mother" is being bid as she wanders in search of her son"

Women's organizations say that the government is encouraging minority and anti-women forces to create hatred by staying silent on such a serious matter. Left leader Subhashani Ali, outspoken for women's rights, believes that President Ram Nath Kovind should take cognizance of the "auction of women". Subhashani Ali admits, "There are similar cases of female violence in the country, and now putting pictures of Muslim women on the internet through the app will further encourage "anti-women" violence"

Women are also seeing this by connecting it with politics.

-ITN, Lucknow.

16TH CENTURY OTTOMAN EMPIRE; BAN ON PRINTING PRESS – A PROBE

The purpose of this article is to testify a claim on the basis of available evidences.

Najmuddin Ahmad Farooqi

Most of us must have heard of 16th century Fatwa given by Sheikh-ul-Islam of Turkey about the invention and use of Printing Press calling it forbidden (Haram) in Islam. The SM is the most common and favourite source of exchange of information so as this incident has also surfaced number of times in the form of texts or videos. The incident dates back to 16th century Turkey where the Chief Mufti Sheikh ul Islam issued a decree (Fatwa) on the invention and use of Printing Press. Interestingly no documentary record is available to substantiate this claim and nor the people debating the issue generally think in this direction.

Ostensibly the books printed in Turks were not used to print their books because they didn't have printable books. In Florence city of Italy Medici Oriental press of good quality typing was established in the year 1584 which continued to function until 1614. In 1591four Gospels of New Testament in Arabic and another book "Al Qanoon-fil-Tib" by Avicenna (Ibn Sina) in 1593 were printed by Medici Oriental press. The first ever Farman of Turk Sultan Murad III issued in 1588 was in respect of granting permission to sale of Arabic books printed in Medici Oriental press by two European businessmen.

In Turkey the scribes protested against the use of press. This was not unprecedented as the protests usually take place whenever a new technology is introduced. After the permission granted by Sultan Murad the printing and publishing of Turkish books in Europe was substantially increased.

The prohibition on Printing press in Turkey was first discussed by French Pastor Andre Trot (1502-90) and according to him Bayezid II in 1483 had ordered death penalty which was further authenticated in 1515 by his son. Though no reference is given by him which can substantiate his claim. Questions were raised whether the proclamation was applicable only for Muslims or all. Coincidentally during the same period Christians and Jews were printing their books and the Jews were deported from Spain were migrating to Turkey. In 1492 the Jewish community brought with them the printing press and the new technologies. A prohibition just nine years prior to coming of Jews is incomprehensible.

On the contrary an Italian scholar Luigi Fernando Marsigli (1658-1730) who was close to Turkish people rejected the claims. He writes, the Medici Press were presented in the court of Jalaluddin Mohammad Akbar. After seeing the quality Akbar refused to give permission for installation of press. The typing by the machines was not attractive to catch the eyes as the calligraphy itself. The other reason why Akbar had rejected was his apprehension for the calligraphers who could lose their jobs. In Turkey the scribes protested against the use of press. This was not unprecedented as the protests usually take place whenever a new technology is introduced. After the permission granted by Sultan Murad the printing and publishing of Turkish books in Europe was substantially increased. Similarly a second decree was issued by Sultan Ahmad in 1727 granting permission to Ibrahim Mutafarriqa (1674–1745) for printing and publishing of books. The first book published by him in 1729 was Turkish-Arabic dictionary. Later the press was closed following the death of Mutafarriqa and not due to any other reasons. It can now be extrapolated that the use of printing press was accepted after a delay and not prohibited by any order though initially the printing of religious books was not allowed.

The European authors have been arguing that Muslims were averse and biased towards the inventions of European countries and the decrees from Ulema obstructed every modern technology. According to Francis Becon three inventions Printing Press, Gun Powder and Compass hold significance which transformed the world scenario. The gun powder and compass were accepted by the Muslims without delay which itself prove that the Muslim world wasn't averse to European produce. A European tourist of 16th century has written that there was no nation fond of foreign goods more than Turkey. However, they were not convinced to the use of printing press and the clock towers for their simple logic that the use of printing press shall kill the art of calligraphy and installation of clock tower shall disrupt five times calls(Azan) from the mosques.

The Fatwas of Ulema were not the hurdles in the import of weaponry, tobacco, coffee and even wine purchased from Europeans. In the court of Sultans the Ulema couldn't influence the policies of the rulers rather they were subservient to the rulers. The decision of Ottomans for accepting or rejecting new technology used to rely on the utility and usefulness of the product whereas printing press or clock tower were not introducing anything new except for the printing press could produce more copies in a shorter span. The presence of large number of calligraphers in Istanbul was sufficient to perform the job expeditiously. Similar was the case in Agra, if the books of liking were available to Abul Fazl and Faizi then why should they read from bad print.

It is unfair to say that the usefulness of printing press or considering it to be the source of civilizational change was felt in 15th or 16th century, instead this opinion was formed as late as in 19th or 20th century. Most of the contemporary historians later disagreed with the view that the invention of printing press in Europe brought about a paradigm shift and a revolutionary change in scientific and economic progress and was the cardinal cause of European renaissance. The invention of printing press didn't dramatically revolutionize the European system rather it had progressed gradually. As a matter of fact the printing press had to wait for three hundred years before leaving a significant mark. The early progress raises one more question whether the material printed was of any literary worth. The study of catalogue of 500 libraries in 18th century Europe reveals, one valuable piece of work from literary standpoint was the book "Social Contract" written by a Swiss author Jean Jacques Rousseau.

On the contrary suppose the 16th century incident was true as it is perceived today, is the Maulvi culpable for the decline of Islamic or Muslim world. If Sheikh-ul-islam of Turkey wouldn't have forbidden printing press, the Islamic world would have touched the zenith of development today ? The contemporary Akbar the Great, the secular Shahenshah of India, not under the influence of Maulvi why didn't he adopt printing press in the same century ? The Fatwa invoked in Ottoman what the rest of the Islamic world was doing ? African Continent is most backward, is their progress still hampered by Maulvi ?

(The views expressed here are of the writer and personal.)

ITN

यूपी विधान सभा चुनाव 2022 में हो रही है दलबदल की भगदड़

नई दिल्ली : प्रिय पाठको दलों के उम्मीदवार अपने दल को छोड़कर दूसरे दल में जा रहे हैं इसका कारण साफ है उन्हें यह आभास हो गया है कि अभी ऊंट किधर जा रहा है और जिस तरफ डर हो उस तरफ से हटना और अभी जब मौका है तो मौका का लाभ लेने में ही भलाई है. इससे साफ हो गया है उम्मीदवार अपने दलों से खुश नही है. सबसे डरने वाली बात भाजपा के लिए है क्यूंकि भाजपा ने पिछले पांच साल में डर के अलावा कोई काम नही किया. केन्द्र में भाजपा सरकार है और राज्य में भी भाजपा सरकार है. जनता का रूख साफ यही बता रहा है कि भाजपा को अच्छा खासा नुकसान होने जा रहा है.

भाजपा से अब तक चौदह नेताओं ने नाता तोड़ दिया है और अपना भविष्य बनाने के लिए दूसरे दलों में शामिल होने जा रहे है. बसपा ने दो नाम चरथावल से सलमान सईद व गंगोह से नोमान मसूद की घोषणा की.

दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता इमरान मसूद के समाजवादी में जाते ही कांग्रेस ने उन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. इमरान मसूद को कांग्रेस नेत्री उमा भूषण ने मौका परस्त बताया है. सहारनपुर में राजनीति में उलटफेर लगातार जारी हैं. हाल ही में इमरान मसूद ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने की घोषणा की, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगता नजर आ रहा है. दरअसल इमरान मसूद के साथ कांग्रेस के एक विधायक मसूद अख्तर भी उनके साथ समाजवादी पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं, जिसको लेकर सहारनपुर नगर में आज कांग्रेस नेत्री उमा भूषण ने प्रेस वार्ता कर इमरान मसूद पर तीखा प्रहार किया है.

उन्होंने आगे कहा, ष्इमरान मसूद को लग रहा है कि कांग्रेस का कोई वजूद ही नहीं है, इसलिए शायद समाजवादी पार्टी की सरकार बन जाए और समाजवादी के साथ जुड़कर अपने वजूद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं.ष कांग्रेस नेत्री उमा भूषण ने आगे कहा, ष्इमरान मसूद पिछले महीनों से समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव के पैरों में गिर कर गिड़गिड़ा रहे हैं कि मुझको बचा लीजिए और अखिलेश यादव ने इमरान मसूद पर तरस खाकर बिना शर्त इमरान मसूद को शरण देने का काम किया.ष साथ ही उन्होंने इमरान मसूद को एहसान फरामोश बताया और कहा है कि कांग्रेस जैसी पार्टी जिसने इनको इतना सम्मान दिया, उस पार्टी को छोड़कर के समाजवादी पार्टी की नाव में सवार हो गए साथ ही इमरान मसूद को मौका परस्त बताया है.

जहां तक भाजपा का सवाल है शिकोहाबाद भाजपा विधायक मुकेश वर्मा ने इस्तीफा दिया, 3 दिन में 14 भाजपा विधायकों ने अब तक इस्तीफा दिया है. अब तक जो 14 विधायक भाजपा छोड़ चुके है, उनमें स्वामी प्रसाद मौर्य

भगवती सागर, रोशनलाल वर्मा, विनय शाक्य, अवतार सिंह भाड़ाना, दारा सिंह चौहान, बृजेश प्रजापति, मुकेश वर्मा, राकेश राठौर, जय चौबे, माधुरी वर्मा, आर के शर्मा, बाला अवस्थी, धर्म सिंह सैनी इतयादि है.

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तमाम पार्टियां अपने–अपने उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल करने में जुटी है. इसी कड़ी में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक होने जा रही है. बताया जा रहा है कि इस बैठक के बाद पार्टी पहले तीन चरणों के लिए आज अपने 172 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर सकती है.

आपको बता दें कि उम्मीदावरों के नामों को फाइनल करने के लिए बीजेपी का दिल्ली में पिछले दो दिनों से मंथन जारी है. उम्मीदवारों को लेकर बुधवार को बीजेपी कोर कमेटी की बैठक तकरीबन 14 घंटे तक चली. इस बैठक में अमित शाह समेत पार्टी के कई बड़े नेता शामिल रहे.

जानकारी के मुताबिक इस बैठक में पहले तीन चरणों के लिए 172 उम्मीदवारों के नाम फाइल कर दिए गए हैं. बताया जा रहा है कि रात डेढ़ बचे तक चले मीटिंग में 300 सीटों पर नाम को लेकर चर्चा हुई लेकिन अभी पहले तीन चरणों के लिए 172 सीटों पर ही नाम फाइनल हो पाए है. आज इन नामों को बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति के सामने रखे जाएंगे.

इस बैठक में कोर कमेटी की की मीटिंग में निषाद पार्टी के संजय निषाद, अपना दल की अनुप्रिया पटेल से भी सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हुई. सूत्रों के अनुसार सीट शेयरिंग को लेकर घोषणा गुरुवार को सीईसी की मीटिंग के बाद की जाएगी.

अभी बहुत जल्द चुनाव को लेकर उलटफेर और दलबदल के कई समाचार मिलेंगे और नई समीकरणों पर चर्चाएं होंगे जिसको हम आपके सामने लाते रहेंगे.

–आईटीएन

SUBSCRIPTION FORM
TIMES OF PEDIA

Issue	Subscription Price	Years
52	250/-	1
104	500/-	2
260	1,300/-	5
520	2,600/-	10
--	5,000/-	Life

Name :.....
Address :.....
.....
.....
Email:.....
Contact Phone No.....
for donation☐ /life ☐ /10 yrs ☐/5 yrs☐subscription
The sum of Rupees..... (Rs...../-)
through cheque/DD No.....dt.....

Fill the above form neatly in capital letters and send it to us on the following address :
Times of Pedia, K-2-A-001, Abul Fazal Enclave-I,
Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025
or email : **timesofpedia@gmail.com**

Also Send us your subscription, membership, donation amount in favour of Times of Pedia, New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch,
New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

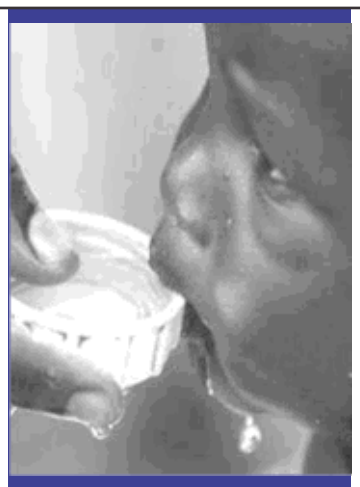

Ending Someone's thirst is the Biggest Deed of Humanity

ADVERTISEMENT TARIFF
TIMES OF PEDIA

Size/Insertion Single	B&W (Rs)	4 Colour (Rs)
Full Page (23.5 x 36.5 cm)	30,000/-	1,00,000/-
A4 (18.7 x 26.5 cm)	20,000/-	60,000/-
Half Page (Tall-11.6 x 36.5 cm)	18,000/-	50,000/-
Half Page (wide-23.5 x 18 cm)	8,000/-	50,000/-
Quarter Page (11.6 x 18 cm)	10,000/-	28,000/-
Visiting Card size (9.5 x 5.8 cm)	3,000/-	10,000/-

MECHANICAL DATA:

Language: English, Hindi and Urdu

Printing: Front and Back - 4 Colours , Inside pages - B&W

No. of Pages: 12 pages (more in future)

Price: Rs. 3/-

Print order: 25,000

Periodicity: Weekly

Material details: Positives/Format of your advertisements should reach us 10 days before printing.

Note: 50% extra for back page, 100% extra for front page

Please Add Rs. 10 for outstation cheques.

50% advance of total add cost would be highly appreciable, in case of one year continue add. Publication cost will reduce 50% of actual cost.

Bank transactions details of TIMES OF PEDIA
Send your subscriptions/memberships/donations etc. (Cheques/DD) in favour of TIMES OF PEDIA New Delhi
Punjab National Bank,Nanak Pura Branch , New Delhi-110021
A/C No.1537002100017151, IFS Code : PUNB 0153700

आजादी के अमृत महोत्सव पर 26 जनवरी 2022 को राजपथ पर होगा जय घोष नृत्य

स्वतंत्रता के 75वे वर्ष के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है. इस बार गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली टीमों को पूरे देश से बुलाया गया. 400 से अधिक टीमों ने सांस्कृतिक मंत्रालय के अंतर्गत देश के विभिन्य भागो में अपने – अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किय. इसमें से जो टीमे प्रतियोगिताओ में अच्छा प्रदर्शन कर पाई उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सांस्कृतिक मंत्रालय व रक्षा मंत्रालय में कुछ टीमों को पूरे देश से 26 जनवरी 2022 में राजपथ पर प्रदर्शन के लिए चुना गया. यह बताते हुए हर्ष हो रहा है , कमल इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन , कमल

मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मोहन गार्डन, नई दिल्ली एवं वंदना इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल , द्वारका , नई दिल्ली संयुक्त टीम ने कठिन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा सिद्ध करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का अधिकार प्राप्त किया. इस अवसर पर केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने मुझे और कोरिओग्राफर दिलीप परिहार , दिनेश परिहार व हमारे कलाकार बच्चों को सम्मानित किया, मैं आभार व्यक्त करता हूँ हमारी प्रधानाचार्या डॉ वंदना टंडन , डायरेक्टर श्रीमति आकांशा टंडन व पूरी म्यूजिक टीचर्स की टीम व सबसे बड़ा धन्यवाद हमारे अभिभावकों का जिन्होंने बच्चों को परफॉर्मेंस करने के लिए अनुमति दी.

पहले भी कमल , वंदना , गुरुग्राम और ट्रिनिटी शैक्षणिक संस्थाओ , दिल्ली, एन सी आर के बच्चे 5 बार राजपथ पर जा चुके है. तथा देश में शीर्ष स्थान भी उन्होंने प्राप्त किया.

–आईटीएन

राजा गार्डन चौक पर चल रहा लेबर कार्ड बनवाने का कैम्प

मोती नगर विधानसभा में विधायक शिवचरण गोयल जी के सौजन्य से लेबर कार्ड बनाने का कैम्प राजा गार्डन चौक पर सुचारू रूप से चल रहा है. जिसमें कोई भी श्रमिक लेबर कार्ड बनवा सकता है और रिन्यू भी करवा सकता है.

लेबर कार्ड बनवाने का कार्य संदीप भारद्वाज पिछले डेढ़ साल से लगातार कर रहे हैं, इससे हजारों की संख्या में श्रमिक लाभावित हुए हैं.

आम आदमी पार्टी ट्रेड विंग सचिव संदीप भारद्वाज ने बताया कि यह कार्ड बनाने के बाद मजदूरों को सरकार और श्रम मंत्रालय से काफी सहायता मिलेगी. दिल्ली के शिक्षा एवं श्रम मंत्री मनीष सिसोदिया जी ने इस कार्ड के जरिए श्रमिकों के लिए कई लाभ जोड़े है. हमारे यहाँ नए लेबर कार्ड व रिन्यू करवाने के लिए शिविर लगाया गया है, अभी तक बड़ी

के संख्या में लोग यहाँ कार्ड बनवा चुके है. यह आप सभी की जिम्मेदारी है कि इसको लेकर आसपास के लोगों को जागरूक भी किया जाए.

कार्ड बनवाने से होंगे श्रमिकों को ये लाभ रू शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता, विवाह के लिए आर्थिक सहायता, प्रसूति लिए खर्च, मजदूरी में प्रयुक्त होने वाले औजार के लिए अनुदान दिया जाएगा. पारिवारिक पेंशन और दुर्घटना होने पर सहायता भी दी जाएगी. यह कदम मजदूरों की हालत को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है. निर्माण स्थल पर काफी संख्या में मजदूर कार्य करते हैं.और काफी मजदूरों को दिल्ली सरकार की श्रमिक कार्ड स्कीम की जानकारी भी नहीं है. श्रम कार्ड की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके लिए दिल्ली का निवासी होना भी जरूरी नहीं है.प्रवासी मजदूर अपने गांव के आधार कार्ड से भी दिल्ली में मिलने वाली इस दिल्ली सरकार की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं.हमारे संवाददाता को लेबर कार्ड बनवाने आए मजदूरों ने बताया की यहां पर सिर्फ ₹200 देने से लेबर कार्ड बन जाता है, नहीं तो अन्य जगह में साइबर कैफे वाले या और लेबर कार्ड बनाने वाले काफी सारे पैसे ले लेते हैं और कार्ड बन कर भी नहीं आता. लेकिन संदीप भारद्वाज द्वारा आयोजित कैंप में कार्ड बनवा कर बहुत संख्या में गरीब लोग फायदा उठा चुके हैं इसके लिए सभी ने संदीप भारद्वाज की भूरी भूरी प्रशंसा की.

–आईटीएन

इस्पात मंत्री ने मंत्रालय से जुड़े कंपनियों को यथासंभव योगदान देने कहा.

केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह ने कर्नाटक में अपने दौरे के तीसरे दिन जिंदल विजयनगर इस्पात संयंत्र और एनडीएमसी लौह अयस्क खान में कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें आत्मनिर्भर भारत में अपना यथासंभव योगदान देने के लिए प्रेरित किया. श्री सिंह ने जिंदल विजयनगर स्टील प्लांट की 5 मिलियन टन प्रतिवर्ष की क्षमता विस्तार की आधारशिला रखी. उन्होंने कहा कि भारत में 300 मिलियन टन उत्पादन क्षमता प्राप्त करने में इससे मदद मिलेगी. विस्तार परियोजना से देश में उच्च गुणवत्ता स्टील की आपूर्ति बढ़ेगी. श्री सिंह ने एक सशक्त भारत के निर्माण में जेएसओ स्टील के योगदान की प्रशंसा की.

माननीय मंत्री जी ने इंसपायर स्पोर्ट्स इंस्टिट्यूट में युवा खिलाडियों से मुलाकात की और उन्हें राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया.

दोपहर बाद श्री सिंह एनडीएमसी दोनिमलाई खान पहुंचे जहाँ उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया और सीआईएसएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. माननीय मंत्री जी ने सिंटरिंग प्लांट–2 में भूमि पूजन किया. वर्तमान में एनएमडीसी डोनिमलाई खदान से 7 एमटीपीए लौह अयस्क का उत्पादन कर रहा है जिसे एसपी–1 द्वारा संसाधित किया जाता है. कुमारस्वामी लौह अयस्क खदान की क्षमता 7.0एमटीपीए है और भविष्य में इसे बढ़ाकर 10.0 एमटीपीए किया जाएगा. कुमारस्वामी लौह अयस्क खदान से लौह अयस्क को संसाधित करने के लिए 7.0 एमटीपीए क्षमता के एसपी–2 स्क्रीनिंग प्लांट की स्थापना की जा रही है, जिसमें क्षमता को बढ़ाकर 10.0 एमटीपीए करने का प्रावधान है. ऐसे प्रावधान भी किए जा रहे हैं कि एसपी–2 किओम और डोनिमलाई दोनों से लौह अयस्क को संसाधित कर सके.

तत्पश्चात श्री सिंह ने दोनिमलाई खान का दौरा किया और खनन मजदूरों से वार्तालाप किया. माननीय मंत्री जी ने परियोजना अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें पूरी लगन और निष्ठा से कंपनी और देश की सेवा करने को कहा.

विधान सभा चुनाव 2022 की तरीखों का हुआ ऐलान

भारत के चीफ इलेक्शन कमीश्नर सुशील चंद्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 5 राज्यों की 690 विधानसभा सीटों लिए चुनाव तारीखों के ऐलान किया. उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव आयोग ने कोरोना से बचाव और मतदाताओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया है. चुनाव आयोग ने कहा कि कोरोना काल में चुनाव कराना चुनौती पूर्ण है. इस बार उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 10, 14, 20, 23, 27 फरवरी, 3 मार्च और 7 मार्च 2022 को सात चरणों में होंगे. उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में विधानसभा चुनाव 14 फरवरी 2022 को होंगे जबकि मणिपुर में 27 फरवरी 2022 और 3 मार्च 2022 को दो चरणों में चुनाव होंगे. सबसे अहम बात यह है कि सभी पांच राज्यों के चुनाव परिणाम 10 मार्च को निकाल दिया जाएगा.

सभी बूथ ग्राउंड फ्लोर पर होंगे, ताकि लोगों को सुविधा हो. बूथ पर सैनिटाइजर, मास्क उपलब्ध होगा.

चीफ इलेक्शन कमीश्नर सुशील चंद्रा ने बताया कि सभी उम्मीदवारों के लिए आपराधिक जानकारी देना जरूरी होगा. सभी उम्मीदवारों को अपना आपराधिक रिकॉर्ड चुनाव आयोग द्वारा बनाई गई ज्ञदवू ल्वनत ब्दकपकंजम ऐप पर उपलब्ध करानी होगी. चुनावों में पैसों के दुरुपयोग पर खास नजर रखी जाएगी. आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत के लिए ैमम टपहपस ऐप बनाई गई है, जिस पर आम जनता फोटो या वीडियो शेयर कर सकते हैं. चुनाव आयोग 100 मिनट के भीतर इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई करने का आदेश देगा.

चीफ इलेक्शन कमीश्नर ने कहा की चुनाव प्रचार डिजिटल, वर्चुअल, मोबाइल के जरिए करें. फिजिकल प्रचार के पारंपरिक साधनों का इस्तेमाल कम से कम करें. इसके अलावा रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक कोई प्रचार, जन संपर्क राजनीतिक पार्टियां नहीं कर सकेंगी. विजय जुलूस नहीं निकाला जा सकेगा. विजय उम्मीदवार दो लोगों के साथ प्रमाण पत्र लेने जाएंगे.

पार्टियों को तय जगहों पर ही सभा करने की अनुमति होगी. सभी पार्टियों और उम्मीदवारों को अंडरटेकिंग देनी होगी कि वे कोविड गाइड लाइन का पालन सख्ती से करेंगे.

—आईटीएन

बघौरा पंचायत, नवनिर्वाचित, मुखिया का प्रथम ग्राम सभा बैठक संपन्न

औरंगाबादः (बिहार) रफीगंज प्रखंड अंतर्गत बघौरा पंचायत के बक्सी बिगहा स्थित पंचायत सरकार भवन में शुक्रवार दिनांक 07 जनवरी 2022 को नवनिर्वाचित मुखिया, गुड़िया देवी का प्रथम ग्राम सभा बैठक संपन्न हो गया. जिसमें पंचायत सचिव, पंचायत रोजगार सेवक, अंसार, डाटा एंट्री ऑपरेटर, अभिषेक कुमार, लेखापाल, कविता प्रसाद, ग्रामीण इंदिरा आवास सहायक, कुंदन कुमार, सरपंच, रेखा सिंह के बजाय सरपंच के पति सुमन कुमार सिंह, वार्ड सदस्य के अलावे काफी संख्या में पंचायत वासीयो ने भी भाग लिया. जिसमें प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं पंचायत से कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे हुए ग्रामीण जनता ने भी खुलकर अपना–अपना पक्ष रखा.

ग्राम सभा की पहली बैठक में बघौरा पंचायत, मुखिया के पति अनुज कुमार सिंह ने भरी सभा में अपना पक्ष रखते हुए पंचायत सचिव से कहा कि पंचायत चुनाव 2021 से पूर्व सवाल उठा था कि मुखिया व उनके पति द्वारा फलाना –फलाना फंड का पैसा लूट लिया गया. जिसके कारण मैं काफी आहत भी था. लेकिन इसके बावजूद भी हमारी पंचायत की भोली भाली जनता किसी के बहकावे में नहीं आए. आप क्वेश्चन कीजिए. मैं जवाब दूंगा. मैं शुरू से ही अपने पंचायत की जनता को स्पष्ट कह दिया हू, कि यदि किसी प्रकार का कोई भी रिश्वत मांगता है, तो मत दीजिए. क्योंकि रिश्वत लेने वाला और रिश्वत देने वाला भी दोनों दोषी होता है.

आप लोगों का विभागीय काम स्वत होगा, लेकिन कुछ ऐसी बाध्यता है. बहुत ऐसे मामले होते हैं, कि कुछ बाध्यता में लाचार व्यक्ति के बारे में भी पंचायत सचिव को कहते हैं, कि इसको कर दीजिए. मैं आप लोगों से भी साफ कहता हूं कि मेरा

बघौरा पंचायत में भ्रष्टाचार नहीं होगा. मैं 765 लोगों को आवास दिया था. लेकिन सरकार का कहना है कि हम जांच करेंगे. उसके हिसाब से आप जान लीजिए, कि 95ः कट हीं जाएगा. क्योंकि सरकार बहुत कम लोगों को ही आवास करना चाहती हैं. यदि आप लोग ट्रांसफरेबल जॉब वाले को अपने काम के चक्कर में रिश्वत देते हैं, तो मैं अभी भी साफ कहता हूं कि ट्रांसफरेबल जॉब वाले को रिश्वत मत दीजिये, क्योंकि यदि कोई भी ट्रांसफरेबल जॉब करने वाले लोग ट्रांसफर होकर कभी भी दूसरे जगहों पर चले जाएंगे, तो रिश्वत देने वाले दोषी हैं या नहीं? फिर मुझे कहिएगा कि उनको हम अपने काम के लिए इतना पैसा दिए थे. इसलिए तुरंत काम करवाने के चक्कर में मत रहिए. इसके अलावे आप लोगों से भी आग्रह होगा कि सर्वप्रथम जरूरतमंदों को ध्यान में रखते हुए उनका काम करवाइए. हम तो अभी भी कह रहे हैं, कि सारा योजना वार्ड सदस्य को ही काम कराने के लिए दे देते हैं. आप ही लोग देख लीजिए.

अंत में मुखिया के पति ने भरी सभा में संबोधित करते हुए कहा कि मैं यह कभी भी भावना नहीं रखता हूं, कि मुझे उसने वोट नहीं दिया. मेरा आग्रह है कि वैसे गुमराह करने वाले लोगों को मुंह तोड़ जवाब दीजिए. कंट्राभेनसी में आइए. आप लोगों को यदि कोई संकोच हो, तो हम से डायरेक्ट मिलिए. यदि वह काम मुझसे नहीं होगा, तो पंचायत सचिव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी से भी कहेंगे. सब का राशन कार्ड हम बनाए हैं. लेकिन राशन कार्ड का भी मापदंड होता है. किसी भी व्यक्ति के घर में अलग अलग नाम से नहीं बनेगा. अन्यथा फॉर्म "ख" भरकर देना होगा. ऐसा संभव नहीं होगा.

अब मैं इलेक्टेड बॉडी हो गया हूं. पेंशन यदि किसी का भी छूट गया है, तो वार्ड पुनः 60 वर्ष होने का सर्टिफिकेट देखकर आधार कार्ड, अकाउंट नंबर, वोटर आई कार्ड छायाप्रति के साथ संलग्न कर आवेदन दे दीजिए. वैसे लोगों को पेंशन होगा. अंत में मुखिया पति ने संबोधित करते हुए कहा कि जिसने मुझे वोट दिया, या नहीं दिया. मैं सबको नमन करता हूं कि आप लोगो ने फिर से दोबारा मेरी पत्नी को अपार प्रचंड बहुमत से जिताया.

वहीं पंचायत सचिव ने भरी ग्राम सभा में मंच से संबोधित करते हुए कहा कि जी0पी0डी0 मे राशि देना है. बघौरा, दुग्गल, अरथुआ तीनों जगह पर 28 तारीख को बैठक होगी. आप लोग दो योजना से ज्यादा लिखकर न दे. पहले मुखिया जी करते थे, कि कुछ काम छूट गया है, तो काम करा देते थे. हमको लगता है कि अभी भी काम में 10 20 लाख रुपया लगा होगा. पैसा बाद में आ जाता था. लेकिन अब एक रुपया भी लगाकर काम न कराएं. क्योंकि काम कराने के बाद तुरंत दूसरा दिन बाउचर देना है. अब डोंगल से पैसा ट्रांसफर होगा.

अंत में कार्यक्रम समाप्ति पश्चात संवाददाता ने जब अपने रफीगंज प्रखंड संवाददाता, अनिल कुमार विश्वकर्मा के साथ वार्ड नंबर 02 सदस्य के पति से सवाल पूछा कि क्या आप समय आने पर ग्रामीण आवास सहायक के विरुद्ध रिश्वत मामले में यह साबित कर देंगे? कि मैं रिश्वत दिया हूं?

तब संवाददाता द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ग्रामीण आवास सहायक ने इस पंचायत में काफी ग्रामीणों से रिश्वत का पैसा लिया है. जरूरत पड़ने पर मैं कहीं भी इसको साबित कर दूंगा.

ध्यातव्य हो कि इस ग्राम सभा कार्यक्रम में चिरैला गांव निवासी, रणधीर कुमार सिंह ने भी काफी सहयोग किया. लेकिन इस ग्राम सभा कार्यक्रम में ताज्जुब की बात यह भी देखने को मिला, कि एक तरफ जहां बघौरा पंचायत मुखिया, गुड़िया देवी के पति अनुज कुमार सिंह मौजूद ग्रामीण जनता के साथ नीचे बैठे हुए थे. वहीं सरपंच, रेखा सिंह के पति सुमन कुमार सिंह मंच पर ही उपस्थित पदाधिकारी, कर्मचारी के साथ बैठे हुए देखे गए.

—अजय कुमार पांडेय और अनिल विश्वकर्मा की संयुक्त रिपोर्ट

सांसद सुशील कुमार ने स्टेट हाईवे 101 एलायन्मेंट को लेकर आवाज उठाई

टौरंगाबादः (बिहार) औरंगाबाद सांसद, सुशील कुमार सिंह ने बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री, नितिन नवीन को पत्र के माध्यम से ध्यान आकृष्ठ कराते हुए कहा है कि बड़े अफसोस के साथ उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में कहना है कि देव सूर्य महोत्सव के अवसर पर मेरी मांग पर अम्बा से गया वाया देव, मदनपुर, कासमा, चिरैला, मथुरापुर, डिहा, कस्थुआ, पुना कला, मगध मेडिकल कॉलेज, गया होते हुए सिकरिया मोड़ (गया) पथ को राज्यकीय पथ का दर्जा देते हुए निर्माण की स्वीकृति माननीय, मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया था. जिसका एलायन्मेंट गलत तरीके से बदलने का अधिकारियो द्वारा प्रयास किया जा रहा है. इसके तहत अम्बा से गया तक परैया प्रखंड में मोरहर नदी पर दो दो उच्च स्तरीय बड़े पुल का निर्माण के साथ एक पथिय या पथ का निर्माण कराया गया. अभी ऐसी सुचना

प्राप्त हो रही है कि इस पथ की दोहरीकरण (7 मी0) का निर्माण कार्य ए0डी0बी0 के सहयोग से किया जाने वाला है. जिसमे सम्बंधित अधिकारियो द्वारा एक साजिश के तहत इसे एन0 एच0 19 के दरजी बिगहा मदनपुर तक बना कर छोड़ दिया जाएगा.

मेरे द्वारा पूछे जाने पर इस बिषय में बताया गया कि भारत माला के तहत आमस दरभंगा सड़क का निर्माण होने वाला है. इस लिए मदनपुर से आगे पथ की आवश्यकता नहीं है. अधिकारियो का यह तर्क सर्वथा अनुचित है. यदि ऐसा हुआ तो औरंगाबाद जिले के मदनपुर, रफीगंज, गया जिले के गुरारू, परैया, चंदौती प्रखंड के सैकड़ो ग्रामो के लाखो लोग अच्छी सड़क सुबिधा से वंचित हो जाएगे. जो कही से भी उचित नहीं होगा. संज्ञान में यह भी लाना चाहता हूँ कि देव सूर्य मंदिर छठ पूजा के समय लोगो की आस्था जुड़ी रहती है. इन प्रखंडो से भारी संख्या में छठ व्रती सड़क मार्ग से मेले में शामिल होते है. जबकि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में इसी एलायन्मेंट के साथ करोडों करोड़ रूपये खर्च कर सड़क एवं पुल का निर्माण किया गया था. इस बात की जानकारी प्राप्त होने पर दोनों जिले के पांचो प्रखंड की जनता में भारी आक्रोश ब्याप्त है. मैं अधिकारियों के द्वारा दिए गए नये प्रस्ताव का घोर विरोध करता हूँ, क्योंकि यह कही से भी उचित नहीं है, और दी गयी सुबिधा से छिनने का मामला है. अतः अनुरोध होगा कि पूर्व प्रस्तावित एलायन्मेंट के अनुसार ही सड़क निर्माण का कार्य कराने का कष्ट करेंगे. वहीं दूसरी तरफ इसी स्टेट हाईवे, सड़क से संबंधित मुद्दों पर बुधवार दिनांक 05 जनवरी 2022 को रफीगंज प्रखंड अंतर्गत पड़ने वाली बघौरा पंचायत, मुखिया के प्रतिनिधि, अनुज कुमार सिंह तथा लोक जनशक्ति पार्टी, युवा जिलाध्यक्ष, रणधीर कुमार सिंह से भी संवाददाता की मुलाकात हुई, तो मुलाकात होने के बाद दोनों ने अपनी अपनी राय प्रकट करते हुए कहा कि औरंगाबाद जिले के अधिकारियों को इस सड़क मामले में दिग्भ्रमित किया जा रहा है. जो एकदम अनुचित है. इसलिए इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ही विचार कर के निर्णय लेना चाहिए.

—अजय कुमार पाण्डेय

प्रधानमंत्री का पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा को लेकर औरंगाबाद भाजपा द्वारा निकाला गया कैंडल मार्च

औरंगाबादः (बिहार) कैंडल मार्च के दौरान कार्यकर्ताओ द्वारा प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक नही चलेगी. पंजाब के मुख्यमंत्री होश में आओ, कॉग्रेस पार्टी मुर्दाबाद, जैसे नारे लगा रहे थे इस कैंडल मार्च में औरंगाबाद, भाजपा सांसद, सुशील कुमार सिंह, बिहार भाजपा नेता, सुनील सिंह उपस्थित हुए. इस मौके पर सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा में यह चूक अक्षम्य है. पंजाब के कार्यक्रम में जिस गहरी साजिश के तहत उनकी हत्या की भी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. जांच में सारी बातें सामने आएगी. यह लोकतंत्र के लिए खतरा है. कहीं से भी यह उचित नहीं है. प्रधानमंत्री देश का प्रधानमंत्री होता है.

प्रधानमंत्री एक संवैधानिक पद है. हर राज्य का यह दायित्व और जिम्मेवारी है, कि उनके प्रदेश में प्रधानमंत्री जाए, तो उनकी पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी उस राज्य सरकार की होती है, और उनकी प्रोटोकॉल और सुरक्षा की व्यवस्था करना उसका काम है. इसके लिए कांग्रेस शासित पंजाब सरकार को देश से माफी मांगनी चाहिए वही पी0 एम0 की सुरक्षा के साथ पंजाब सरकार ने खिलवाड़ किया है,जबकि प्रधानमंत्री का पंजाब दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा के साथ जो खिलवाड़ पंजाब सरकार के संरक्षण में हुआ है. वह बिल्कुल गलत है.

भाजपा जिलाध्यक्ष, मुकेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेसियों की साजिश विफल रही अन्यथा देश के लिए अपूरणीय क्षति हो सकती थी. प्रधानमंत्री की हत्या करने की साजिश थी. लेकिन प्रधानमंत्री सुरक्षित बच गए. इस कैंडल मार्च में भाजपा नेता, रविन्द्र शर्मा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, अशोक सिंह, नगर अध्यक्ष, कौशल सिंह, जिला महामंत्री, मुकेश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी, मितेन्द्र कुमार सिंह, जिला मंत्री, आलोक सिंह,धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष, अनिता सिंह, सुमन अग्रवाल, उषा सिंह, गुड़िया सिंह, जितेन्द्र गुप्ता, रघुनाथ राम, अंकित सिंह, नलिनी रंजन, अनुज सिंह, प्रदीप सिंह,,मुखिया, पंकज सिंह, विकेश सिंह,,युवा मोर्चा, दीपक सिंह, मनोज कुमार, प्रितेश सौरभ, दीपक कुमार, दिलीप सिंह इत्यादि शामिल हुए.

जिला विधिक संघ चुनाव 2021 में निर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को प्रमाण पत्र का वितरण

औरंगाबादः (बिहार) जिला विधिक संघ औरंगाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सह चुनाव समिति के मुख्य चुनाव पदाधिकारी, वरीय अधिवक्ता, महेंद्र प्रसाद सिंह ने जिला विधिक संघ चुनाव 2021 में निर्वाचित सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को बुधवार को प्रमाण पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं ब्यक्त की. जिला विधिक संघ, औरंगाबाद के निर्वाचित अध्यक्ष, रसिक बिहारी सिंह और महासचिव, नागेन्द्र सिंह ने सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से औरंगाबाद, जिला विधिक संघ एक उच्ची मुकाम हासिल करेगा. चुनाव समिति कार्यों की प्रसंशा भी की. जिला विधिक संघ, औरंगाबाद के वरीय अधिवक्ता, जी0पी0 विष्णु शर्मा ने चुनाव समिति अध्यक्ष, महेन्द्र प्रसाद सिंह, सदस्य, वृजा प्रसाद सिंह, सरोज रंजन सिन्हा, अखिलेश पाठक,अवध किशोर पाण्डेय को पगड़ी तथा बुर्के देकर सम्मानित किया. सभी निर्वाचित पदाधिकारी और सदस्य प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रफुल्लित हो रहे थे.

Congratulations

TO THE YOUNG AND TALENTED STUDENTS OF TALENT ZONE ACADEMY FOR ACHIEVING SUCH MARKS IN NEET & IIT.

You all have proved that great things can be achieved through hard works and efforts I would also like to congratulate the faculty team of the Talent Zone Academy for their efforts and giving proper guidance to the students This result marks the first stroke of the beginning

Sana homoeopathy Aligarh

HOMEOPATHY MEDICINE

FOR

DIABETES

9760291236

Azadi Ka Amrit Mahotsav

चेहरे की चमक और घर की
ऊँचाईयो पर मत जाना,
घर के बुजुर्ग अगर
मुस्कुराते मिले तो समझ जाना,
आशियाना अमीरों का हैं....

स्वस्थ शरीर ही है, सबसे बड़ा खजाना.

आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का विषय बहुत पीछे रह गया है और नतीजा यह निकला की आज हम युवावस्था में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, कोलेस्ट्रोल, मोटापा, गठिया, थायरॉइड जैसे रोगों से पीड़ित होने लगे हैं जो पहले बृद्धावस्था में होते थे और इसकी सबसे बड़ी वजह है खान पान और रहन सहन की गलत आदतें।

कुछ नियमों का पालन करके खुद भी स्वस्थ रह सकते हैं तथा परिवार को भी स्वस्थ रखते हुए अन्य लोगों को भी अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ एवं मजबूत समाज और देश का निर्माण हो, क्योंकि कहा भी गया है—पहला सुख निरोगी काया।

भोजन हो संतुलितः घी, तैल से बनी चीजें जैसे पूड़ी, पराँठे, छोले भठूरे, समोसे कचौड़ी, जंक फूड, चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक का ज्यादा सेवन सेहत के लिए घातक है इनका अधिक मात्रा में नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा एवं हार्ट डिजीज का कारण बनता है तथा पेट में गैस, अल्सर, ऐसीडिटी, बार बार दस्त लगना,लीवर खराब होना जैसी तकलीफें होने लगती हैं इनकी बजाय खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, छाछ, अंकुरित अनाज और सलाद को शामिल करना चाहिए जो की विटामिन,खनिज लवण, फाइबर, एव जीवनीय तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा में सेवन ना करें, ये डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोगों का कारण हैं। बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें। पानी एवं अन्य लिक्विड जैसे फलों का ताजा जूस, दूध, दही, छाछ, नींबू पानी, नारियल पानी का खूब सेवन करें, इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती, शरीर की त्वचा एवं चेहरे पर चमक आती है, तथा शरीर की गंदगी पसीने और पेशाब के दवारा बाहर निकल जाती है।

व्यायाम का करें नियमित अभ्यास दृ सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाएं, हरी घास पर नंगे पैर घूमें, दौड़ लगाएं, वाक करें, योगा, प्राणायाम करें, इन उपायों से शरीर से पसीना निकलता है, माँस पेशियों को ताकत मिलती है,शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है, अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव होता है,पूरे दिन भर बदन में चुस्ती फुर्ती रहती है, भूख अच्छी लगती है इसलिए नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।

गहरी नींद भी है जरुरीः शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन लगभग 7 घंटे की गहरी नींद एक वयस्क के लिए जरुरी है, लगातार नींद पूरी ना होना तथा बार बार नींद खुलना,अनेक बीमारियों का कारण बनता है।

अच्छी नींद के लिए ये उपाय करेंः सोने का कमरा साफ सुथरा, शांत एवं एकांत में होना चाहिए, रात को अधिकतम 10—11 बजे तक सो जाना और सुबह 5—6 बजे तक उठ जाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है,सोने से पहले शवासन करने से अच्छी नींद आती है, खाना सोने से 2—3 घंटे पहले कर लेना चाहिए एवं शाम को खाना खाने के बाद 20—25 मिनट अवश्य घूमें।

टेंशन को कहें बाय बायः रोज मर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्यों के लिए चिंतन करना सही है चिंता करना नहीं,चिता तो फिर भी मरने के बाद शरीर को जलाती है किन्तु लगातार अनावश्यक चिंता जीते जी शरीर को जला देती है इसलिए तनाव होने पर भाई, बंधू एवं विश्वास पात्र मित्रों से सलाह मश्वरा करें यदि समस्या फिर भी ना सुलझे तो विशेषज्ञ से राय लें।

नशे से रहें दूरः यूवा पीढ़ी के लिए कोई सबसे खतरनाक बीमारी है तो वो है नशे के जाल में फँसना, शराब, धूम्रपान, तम्बाकू ये सब सेहत के दुश्मन हैं,किसी भी स्थिति में नशे की लत से बचें,यदि नशे से बचे हुए हैं तो बहुत अच्छा किन्तु, यदि कोई नशा करते हैं तो जितनी जल्दी नशे से दुरी बना लें उतना ही अच्छा है,ये ऐसी बीमारी है जो कैंसर और एड्स से भी ज्यादा खतरनाक है और एकसाथ कई परिवारों को बर्बाद करती है तथा शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के नाश का कारण बनती है, इसलिए नशे से बचना ही बेहतर उपाय है।

ज्ञानबर्धक कहानी

बोले हुए शब्द वापस नहीं आते

एक बार एक किसान ने अपने पडोसी को भला बुरा कह दिया, पर जब बाद में उसे अपनी गलती का एहसास हुआ तो वह एक संत के पास गया। उसने संत से अपने शब्द वापस लेने का उपाय पूछा।

संत ने किसान से कहा, "तुम खूब सारे पंख इकठ्ठा कर लो, और उन्हें शहर के बीचो—बीच जाकर रख दो।" किसान ने ऐसा ही किया और फिर संत के पास पहुंच गया।

तब संत ने कहा, "अब जाओ और उन पंखों को इकठ्ठा कर के वापस ले आओ।" किसान वापस गया पर तब तक सारे पंख हवा से इधर—उधर उड़ चुके थे। और किसान खाली हाथ संत के पास पहुंचा। तब संत ने उससे कहा कि ठीक ऐसा ही तुम्हारे द्वारा कहे गए शब्दों के साथ होता है, तुम आसानी से इन्हें अपने मुख से निकाल तो सकते हो पर चाह कर भी वापस नहीं ले सकते.

इस कहानी से क्या सीख मिलती है।

कुछ कड़वा बोलने से पहले ये याद रखें कि भला—बुरा कहने के बाद कुछ भी कर के अपने शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। हाँ, आप उस व्यक्ति से जाकर क्षमा जरूर मांग सकते हैं, और मांगनी भी चाहिए, पर इस इंसान से कुछ ऐसा होता है की कुछ भी कर लीजिये इंसान कहीं ना कहीं दुःखी हो ही जाता है।

जब आप किसी को बुरा कहते हैं तो वह उसे कष्ट पहुंचाने के लिए होता है पर बाद में वो आप ही को अधिक कष्ट देता है। खुद को कष्ट देने से क्या लाभ, इससे अच्छा तो है की चुप रहा जाए।

—सोशल मीडिया